बीट्रीस की बकरी

पेज मैकबियर

चित्र: लोरी

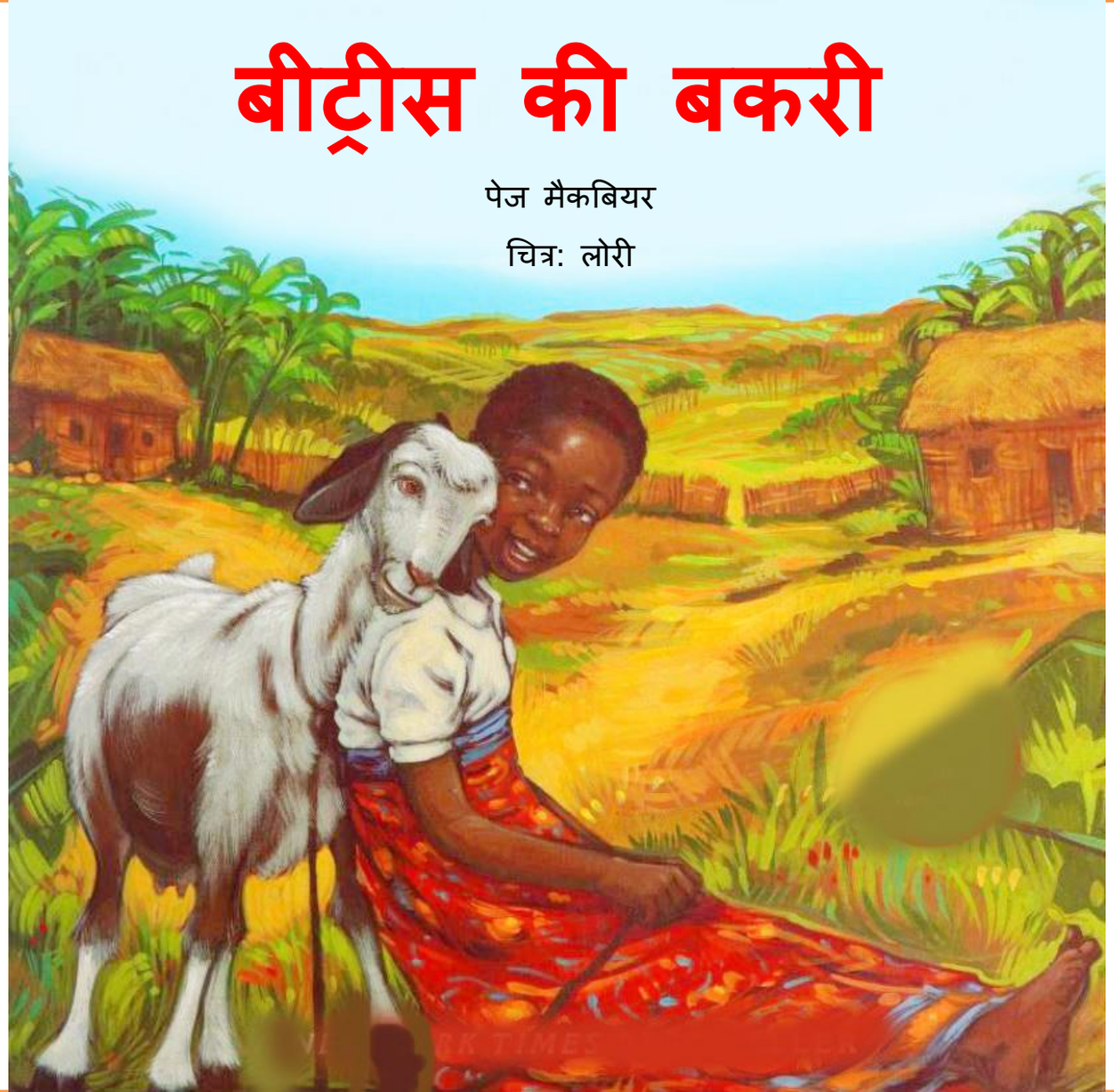

हेइफ़र इंटरनेशनल एक गैर-लाभकारी संगठन है जो भूख और गरीबी को समाप्त करने और खेतहर जानवरों को भेंट देने और प्रशिक्षण के माध्यम से धरती को बचाने का काम करता है. साठ साल में हेइफ़र ने अमेरिका सहित 128 देशों में 45 लाख लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद की है.

हेइफ़र का विचार सरल है, और वो अच्छी तरह काम भी करता है. भूखे परिवारों को भोजन का दान देने के बजाए हेइफ़र इंटरनेशनल उन्हें किसी जानवर का "जीवित ऋण" देता है जिससे उस परिवार के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में बहुत सुधार होता है. वो जानवर - गाय या दूध देने वाली बकरी, अंडे देने वाली मुर्गी, खेत की जुताई के लिए बैल या ऊन देने वाले लामा हो सकता है.

हेइफ़र जानवरों की देखभाल और पर्यावरण को संरक्षित करने वाली खेती के तरीकों का भी प्रशिक्षण देता है. प्रत्येक परिवार बदले में इन उपहारों को दूसरे परिवार के साथ साझा करता है. इससे उम्मीद और आशा की एक कड़ी बनती है जो पूरे समुदाय को ऊपर उठाती है. अधिक जानने के लिए, कृपया www.heifer.org पर जाएं.

बीट्रीस की बकरी

पेज मैकबियर

चित्र: लोरी

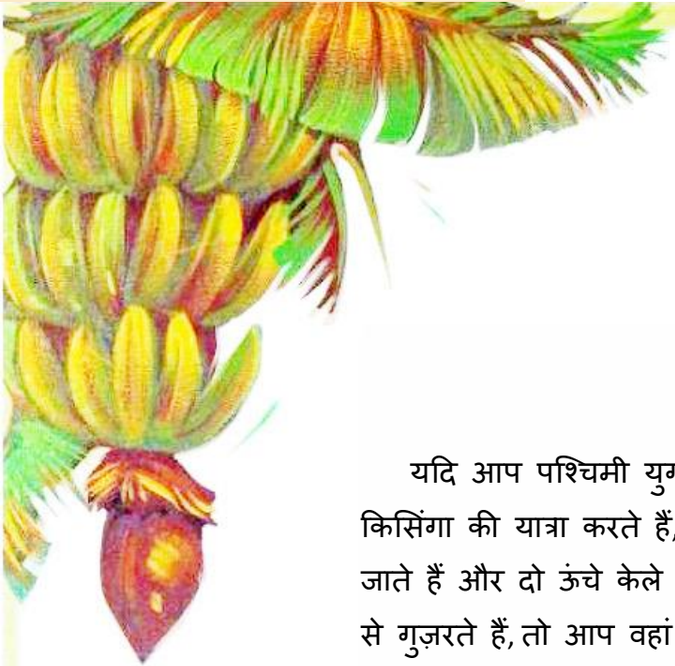

यदि आप पश्चिमी युगांडा की पहाड़ियों में छोटे अफ्रीकी गांव किसिंगा की यात्रा करते हैं, और यदि आप चौराहे पर बाईं ओर जाते हैं और दो ऊंचे केले के पेड़ों के बीच एक संकीर्ण कच्चे रास्ते से गुज़रते हैं, तो आप वहां बीट्रीस नाम की लड़की के घर पहुंचेंगे.

बीट्रीस यहां अपनी मां और पांच छोटे भाइयों और बहनों के साथ एक मजबूत मिट्टी के घर में रहती है. घर नया है और उसकी एक मज़बूत टीन की छत है. घर के अंदर चमकदार लकड़ी का फर्नीचर है. वास्तव में, बीट्रीस और उसके परिवार ने हाल ही में इनमें से कई नई चीजें खरीदी हैं.

और यह सब मुगीसा नाम की बकरी की वजह से संभव हुआ है. बीट्रीस को मुगीसा के बारे में सब कुछ पसंद है. . .वो उसकी मोटी, भूरी और सफेद खाल और उसकी ठुड्डी के बालों को सहलाती है. मुगीसा भी बीट्रीस से प्रेम करती है और वो अपने सींगों को धीरे-धीरे बीट्रीस से हाथों से रगड़ती है.

लेकिन एक कारण है जिसकी वजह से बीट्रीस, मुगीसा से सबसे ज्यादा प्यार करती है.

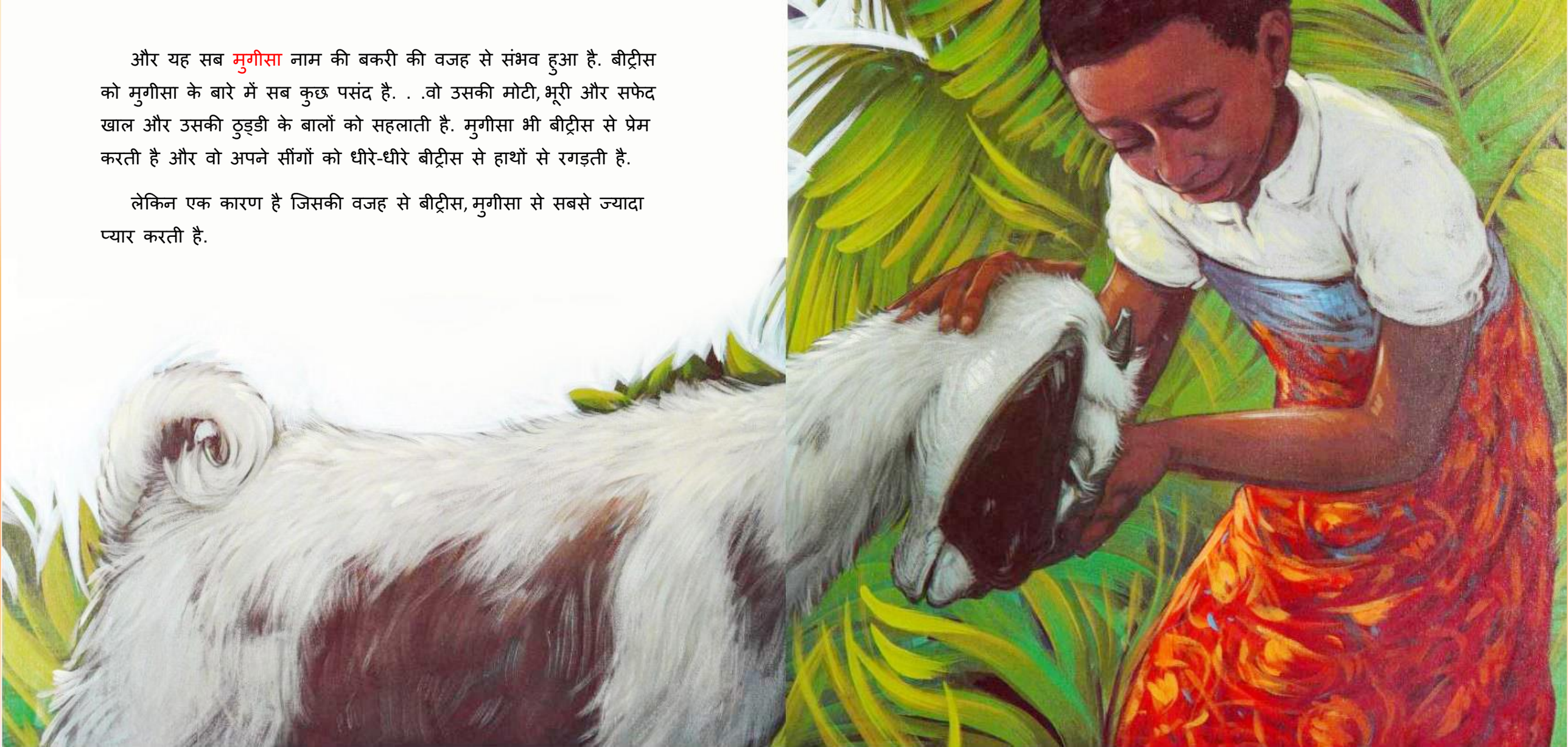

मुगीसा के आने से पहले बीट्रीस खेत में पौधे लगाने में, मुर्गियों की देखभाल करने में, छोटे बच्चों की देखभाल करने में, और कसावा का आटा पीसने में अपने माँ की मदद करती थी. आटे को बेचने के लिए वो उसे बाजार ले जाती थी.

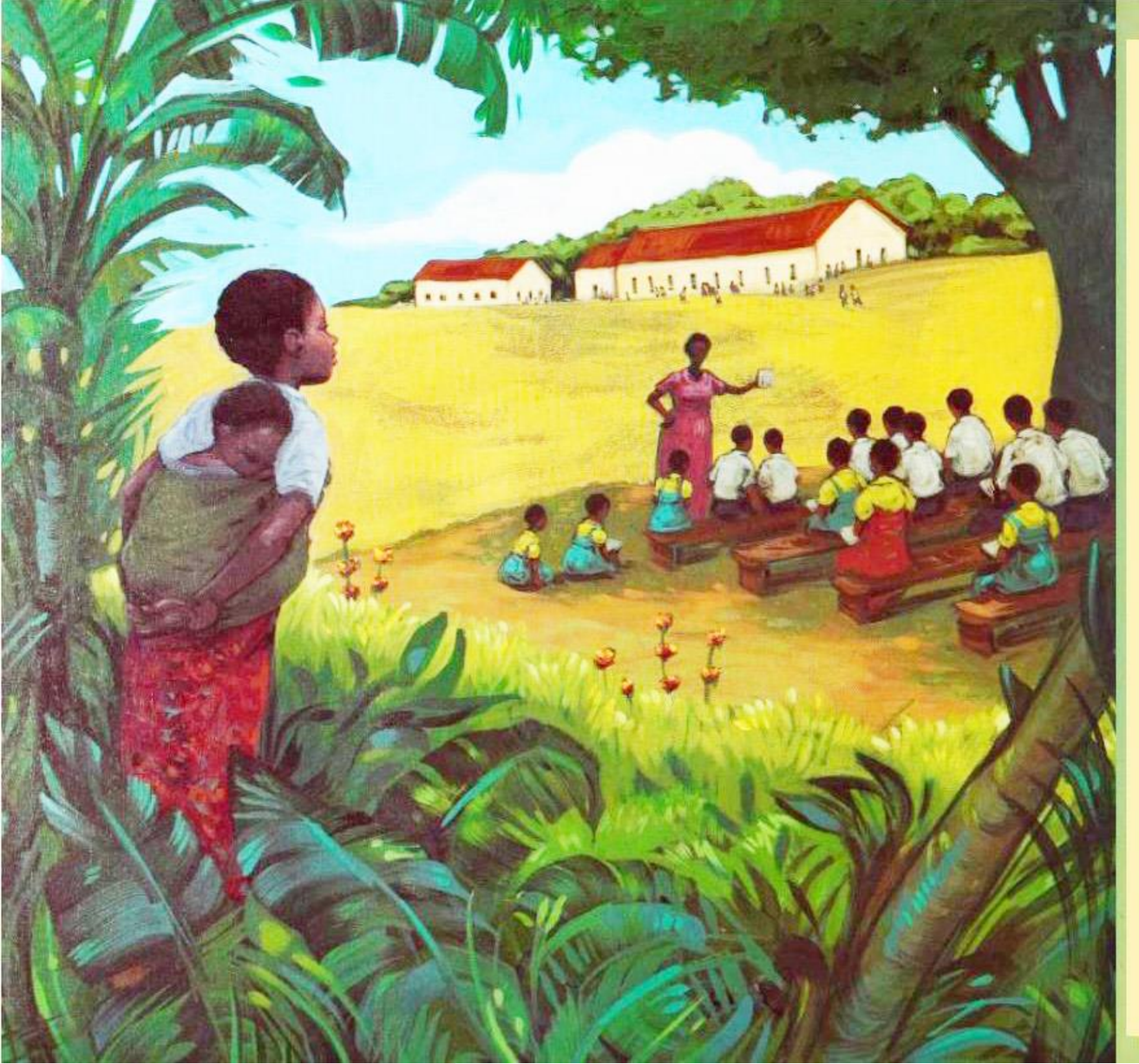

कभी-कभी, जब वो छोटे बच्चे पास्काविया की देखभाल कर रही होती थी, तब बीट्रीस स्कूल के दरवाज़े के पास रुक जाती थी. अक्सर छात्र कटहल के पेड़ों की ठंडी छाँव में काम करने के लिए अपनी लकड़ी की बेंचों को बाहर ले आते थे. तब बीट्रीस चुपचाप एक तरफ खड़ी हो जाती थी और नाटक करती थी जैसे वो भी उस स्कूल की एक छात्रा हो.

स्कूली छात्रा बनने का उसका कितना मन था! वो स्कूली बच्चों की बेंच पर बैठने के लिए तरसती थी और वो छोटी स्लेट पर चॉक से सवालों को लिखकर हल करना चाहती थी. वो घिसी-पिटी नोट-बुक के पन्नों को पलटना चाहती थी और हर शब्द को बार-बार पढ़ना चाहती थी जब तक कि वो उसे पक्की तरह याद न हो जाए.

"मैं कभी स्कूल नहीं जा पाऊँगी," उसने आह भरी. "मैं किताबों और स्कूल की यूनिफार्म के लिए कभी भी पर्याप्त पैसे नहीं बचा पाऊंगी?"

एक दिन जब बीट्रीस खरपत काटने में व्यस्त थी, तब माँ अपनी आँखें नचाती हुई उसके पास आईं. "बीट्रीस, दूर देश से कुछ दयालु लोगों ने हमें एक भाग्यशाली उपहार दिया है. गांव के बारह परिवारों से से हमें भी एक बकरी देने के लिए चुना गया है."

बीट्रीस हैरान थी. एक बकरी? बकरी कैसा उपहार थी? वो हर सुबह उठकर खाना पकाने वाली कोयले की अंगीठी में आग नहीं जला सकती थी. वो हर हफ्ते नदी में जाकर पूरे परिवार के गंदे कपड़े साफ नहीं कर सकती थी. वो ग्रेस, मूसा, हैरियट, योआश और पास्कविया पर नजर नहीं रख सकती थी.

बीट्रीस की लंबी उँगलियाँ बड़े सब्र से खरपत काट रही थीं.

"यह बहुत अच्छा है, माँ," बीट्रीस ने बड़ी विनम्रता से कहा.

फिर माँ ने कहा, "जब हमारी बकरी आएगी तो उसकी देखभाल करने का काम तुम्हारा होगा. अगर तुम ऐसा करोगी तो उससे हमारे परिवार का बहुत फायदा होगा."

बीट्रीस ने अपनी माँ की ओर देखा. "क्या वो बकरी जल्दी आएगी?" उसने पूछा. "क्योंकि मैं उस बकरी से ज़रूर मिलना चाहूँगी."

माँ हंस पड़ी. "देखो, अच्छी चीजों में हमेशा समय लगता है. उससे पहले मुझे बकरी के लिए घास उगानी होगी और उसके रहने के लिए एक शेड बनाना होगा."

बीट्रीस ने धीरे से सिर हिलाया. निश्चित रूप से माँ को अच्छी तरह पता था कि वो क्या कर रही थीं. "मैं आपकी ज़रूर मदद करूँगी," उसने कहा.

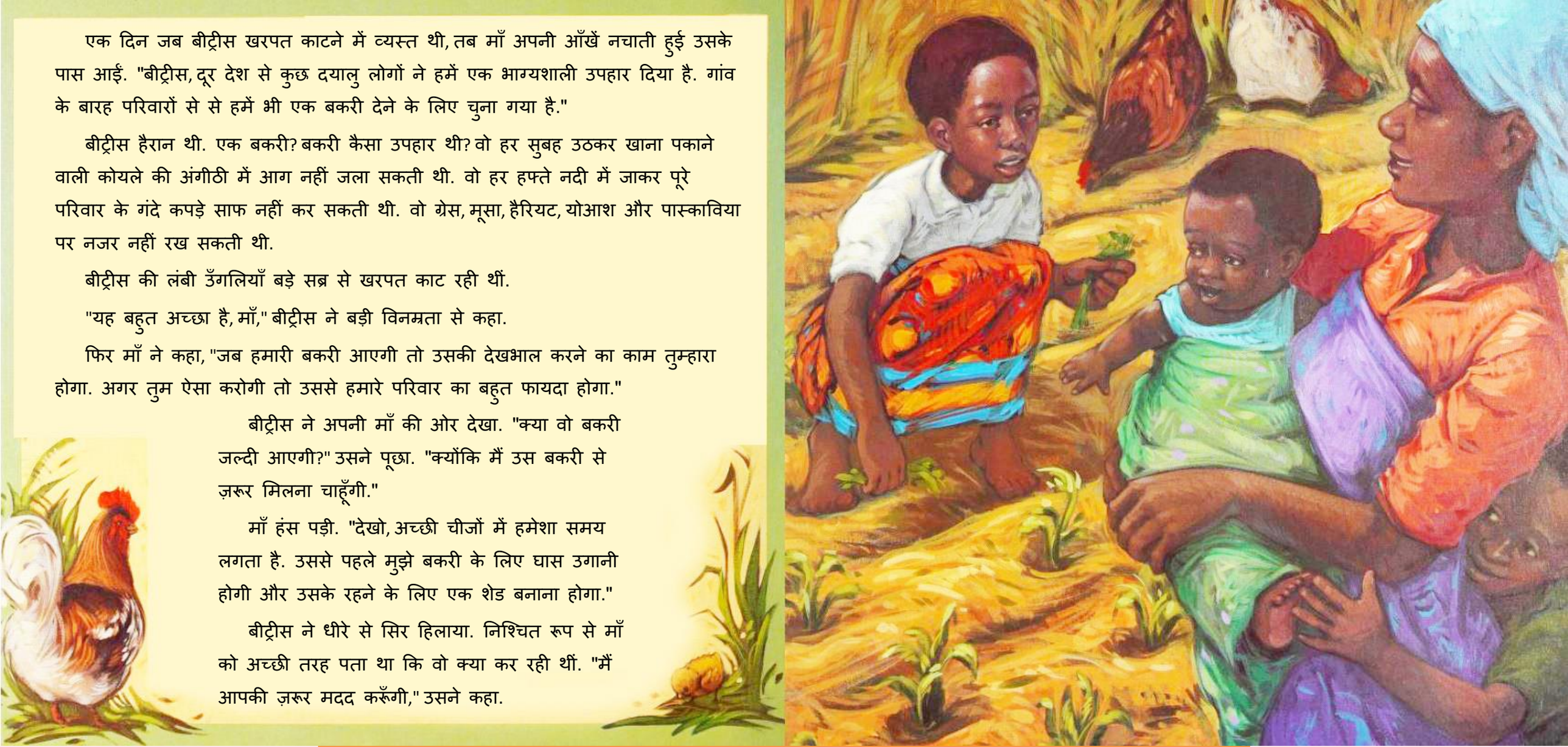

अगले कुछ महीनों तक बीट्रीस ने पहले से कहीं ज्यादा मेहनत की. उसने शेड की दीवारों के लिए खंभे इकट्ठे करने में माँ की मदद की, फिर केले के रेशों की रस्सी से उसने खंभों को आपस में बाँधा. उसने कसावा के खेत के किनारों पर ऊंची हाथी घास की पट्टियाँ भी लगाईं. उसने केले के पेड़ों के बीच छोटे पेड़ों और लैब-लैब बीन्स की बेलों को भी लगाया.

अंत में, एक दिन बीट्रीस की बकरी आई. वो एक पके आम की तरह मोटी और चिकनी थी. बीट्रीस अपने भाइयों और बहनों के साथ बकरी के पास खड़ी हो गई. फिर वो आगे बढ़ी और उसने बकरी की परिक्रमा की. उसने अपने घुटने टेककर बकरी के गोल पेट का निरीक्षण किया, और अपना हाथ उसकी चिकनी पीठ पर सहलाया. "माँ कहती हैं कि तुम हमारे लिए एक भाग्यशाली उपहार हो," वो फुसफुसाई. "इसीलिये मैं तुम्हारा नाम मुगीसा ... यानि "भाग्यशाली" रखूंगी."

दो हफ्ते बाद, मुगीसा ने बच्चों को जन्म दिया. बीट्रीस ने खोज की पहले एक बच्चे की और फिर, उसे आश्चर्य हुआ जब उसने दूसरा बच्चा खोजा. "जुड़वां बच्चे!" वो चिल्लाई, और फिर उनकी जांच करने के लिए नीचे झुकी. "देखो, मेरी मुगीसा! तुमने हमें अभी-अभी दो अद्भुत उपहार दिए हैं." बीट्रीस ने पहले बच्चे का नाम मुलिंडवा रखा, जिसका अर्थ था "अपेक्षित" (एक्सपेक्टेड), और दूसरे का नाम किहेम्बो, यानि "आश्चर्य" (सप्राइज़) रखा.

प्रत्येक दिन बीट्रीस ने यह सुनिश्चित किया कि मुगीसा को अतिरिक्त घास और पानी मिले, जिससे उसे अधिक दूध पैदा करने में मदद मिले. पानी लाने के लिए बीट्रीस को नदी तक की एक बार और लंबी यात्रा करनी पड़ती थी.

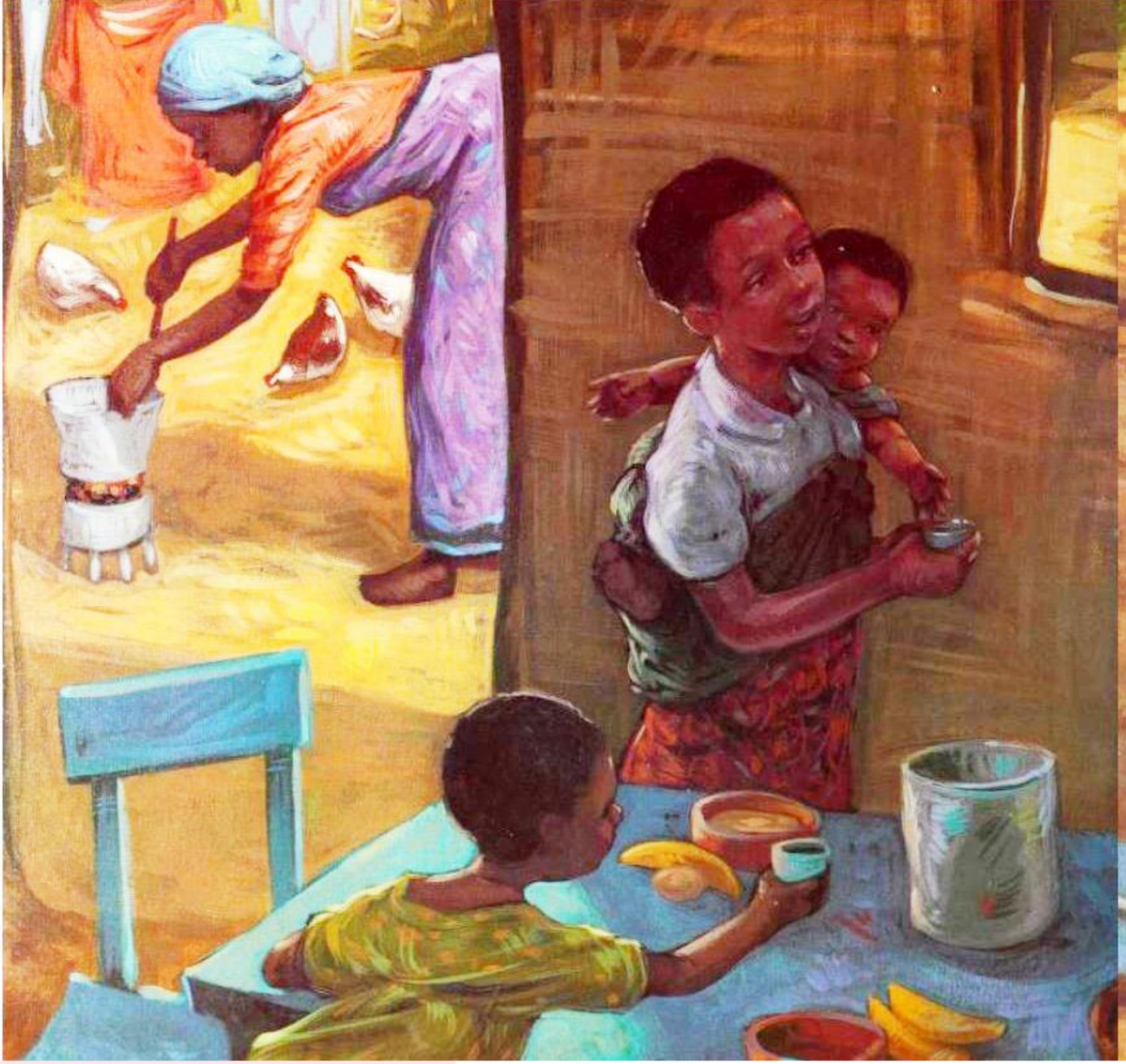

जब बकरी के बच्चों को माँ के दूध की आवश्यकता नहीं रही, तो बीट्रीस ने मुगीसा के दूध का पहला स्वाद खुद चखा. "एकदम मीठा," उसने कहा, और फिर उसने नाश्ते के दलिए में दूध को मिलाया. बीट्रीस को पता था कि मुगीसा का दूध परिवार के सभी लोगों को ज्यादा स्वस्थ रखेगा.

अब, हर सुबह नाश्ते के बाद, बीट्रीस बकरी के शेड में जाती थी और जो भी दूध बचता था उसे बेचती थी. "मेरी दुकान व्यवसाय के लिए खुली है," वो कहती, जैसे कोई उसकी बात सुन रहा हो?

अक्सर, वो केले के पेड़ों के बीच से आते हुए अपने दोस्त को देखती थी.

"गुड-मॉर्निंग, बीट्रीस, मुगीसा और उसके बच्चों," बुनाने हमेशा कहता था. फिर वो बीट्रीस को एक बाल्टी देता था जिसे वो बकरी के दूध से भर देती थी.

जब बीट्रीस उसे दूध की बाल्टी सौंपती थी, तो बुनाने उसे एक चमकदार सिक्का सौंपता था. बीट्रीस बड़े ध्यान से उन पैसों को उसके छोटे पर्स में डाल देती थी.

दिन-ब-दिन, सप्ताह-दर-सप्ताह, बीट्रीस का पर्स पैसों से भरने लगा. जल्द ही उसके पास मोसेज के लिए एक नई शर्ट और ग्रेस के लिए एक गर्म कंबल के लिए पर्याप्त पैसे हो गए.

एक दिन, जब बीट्रीस पानी लेकर वापिस लौटी तो उसने देखा कि माँ बटुए के पैसे गिन रही थीं. बीट्रीस ने पानी का डिब्बा नीचे रखा और वो दौड़कर अपनी माँ के पास पहुँची. "माँ! यह क्या है?" उसने पूछा.

"क्या कुछ गड़बड़ हुई?"

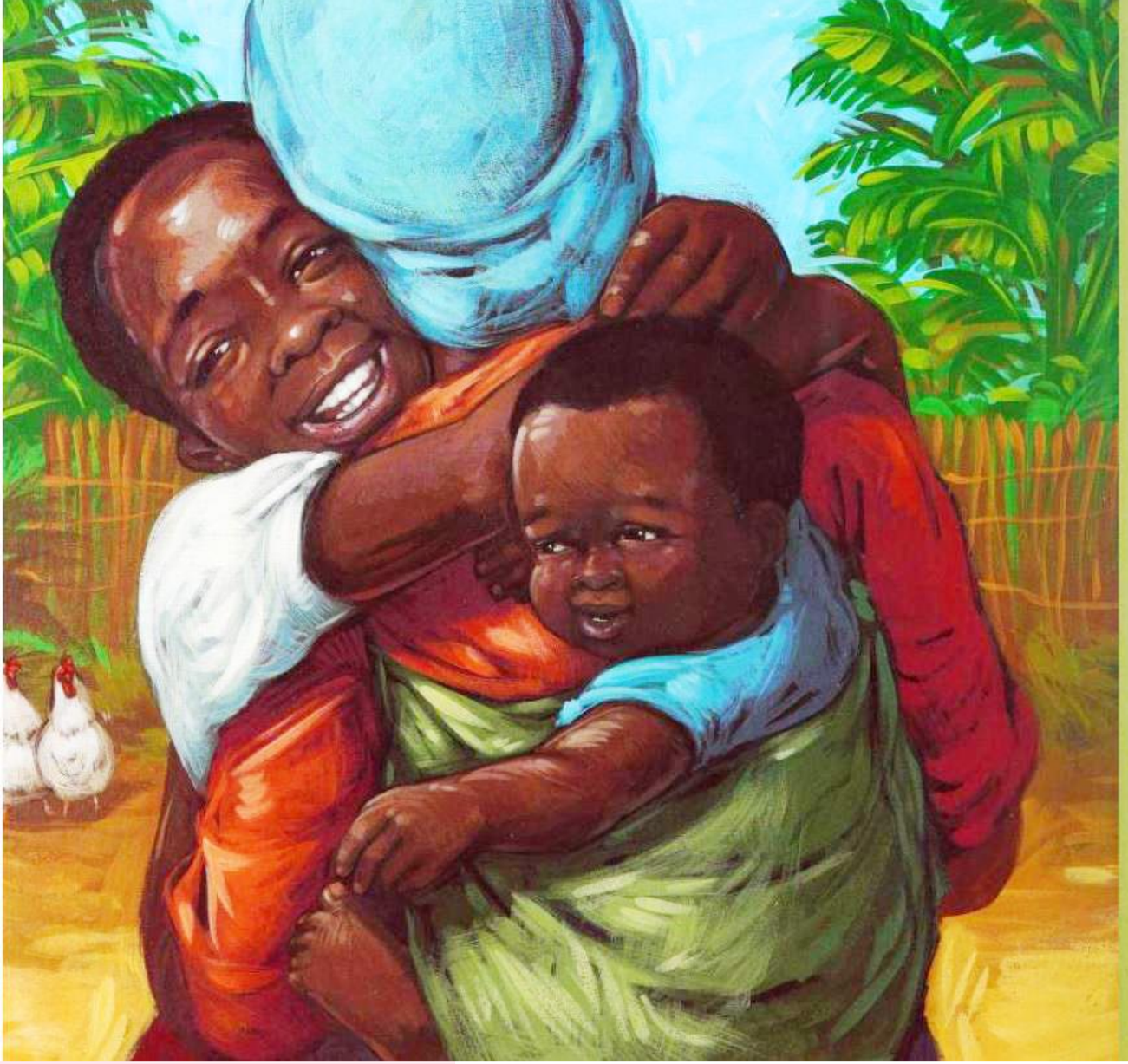

जब बीट्रीस ने ऊपर देखा, तो माँ का गुस्सा एक छोटी सी मुस्कान में बदल गया था. "मुझे लगता है," माँ ने कहा, "तुम्हारे स्कूल की फीस का भुगतान करने के लिए हमने पर्याप्त बचत की है."

"स्कूल?" बीट्रीस ने अविश्वास में हांफते हुए कहा, "लेकिन उन बाकी चीजों का क्या होगा जो हमें चाहिए?"

"बेटी, तुम्हारी पढ़ाई सबसे पहले आती है," माँ ने कहा.

बीट्रीस ने अपनी बाहें अपनी मां के गले में डाल दीं. "माँ तुम्हारा धन्यवाद." फिर वो वहां भागी जहाँ उसकी बकरी खड़ी थी और घास चबा रही थी और उसने अपनी बकरी को कसकर गले लगाया. "ओह, मुगीसा!" वो फुसफुसाई. "आज मैं कितनी भाग्यशाली हूं. तुमने मुझे वो उपहार दिया जो मुझे सबसे ज्यादा चाहिए था."

अगले हफ्ते बीट्रीस ने स्कूल जाना शुरू कर दिया. पहली सुबह जब उसे स्कूल जाना था, तो वो अपने नए पीले ब्लाउज और नीले जम्पर में, मुगीसा का दूध बेंचने के लिए ग्राहकों की प्रतीक्षा में गर्व से बैठी.

बीट्रीस कुछ नर्वस भी थी और साथ में उत्साहित भी थी. मुगीसा ने अपने मोटे शरीर को बीट्रीस के गाल के खिलाफ धीरे से रगड़ा. "ओह, मुगीसा," बीट्रीस रोई. "मुझे आज तुम्हारी बहुत याद आएगी!"

फिर बीट्रीस ने दुबारा से उन सभी अच्छी चीजों के बारे में सोचा जो मुगीसा ला रही थी. माँ ने कहा कि जल्द ही मुगीसा का बच्चा "सरप्राइज" बहुत पैसों में बिकेगा. "फिर हम इस पुराने घर को तोड़कर एक नया घर बनाएंगे," माँ ने समझाया. "फिर हम स्टील की एक नई छत लगा पाएंगे जो बारिश के समय लीक नहीं करेगी."

तभी बीट्रीस ने एक सरसराहट सुनी और देखा कि बुनाने अपनी खाली दूध की बाल्टी के साथ उसकी ओर बढ़ रहा था. बुनाने ने बीट्रीस की नई स्कूल यूनिफार्म देखी और एक आह भरी. "तुम बहुत भाग्यशाली हो. काश मैं भी स्कूल जा पाता."

बीट्रीस बाहर पहुंचा और उसने बुनाने की बांह को छूते हुए कहा: "मैंने सुना है कि तुम्हारा परिवार भी बकरी प्राप्त करने के लिए कतार में लगा है."

बुनाने के चेहरे पर एक मुस्कान आई. “हाँ, वो सच है!"

"सचमुच."

फिर बीट्रीस ने मुगीसा को उसकी नाक पर चूमा,
और फिर स्कूल के लिए रवाना हुई.

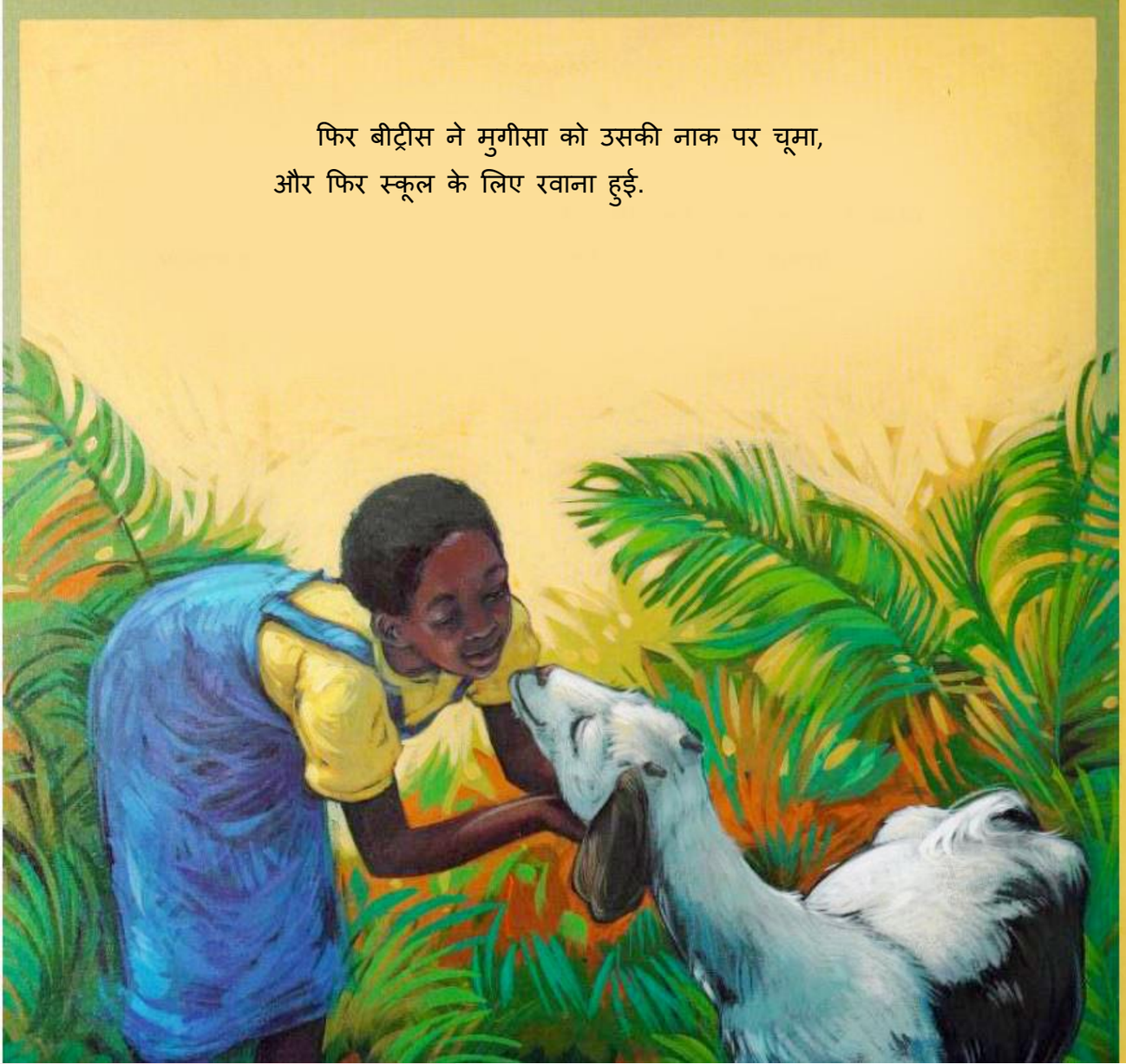

हिलेरी रोडम क्लिंटन द्वारा अंतिम शब्द

कई साल से मैं हेइफ़र इंटरनेशनल संस्था को जानती हूँ और उसके काम की प्रशंसक हूं. इस संस्था ने पेज मैकबियर और लोरी लोहस्टोएटर को बच्चों की चित्र पुस्तक पर शोध करने के लिए पूर्वी अफ्रीका में आमंत्रित किया. बीट्रीस, एक नौ वर्षीय युगांडा की लड़की के बारे में यह सच्ची कहानी, उस यात्रा का परिणाम है. यह दिल को छू लेने वाली एक कहानी है और वो हमें याद दिलाती है कि लोग, चाहे वे कहीं भी रहें, वे अपने बेहतरी के लिए अपने जीवन को ज़रूर बदल सकते हैं. ऐसा करने के लिए, उन्हें तीन चीजों की आवश्यकता होती है: संसाधन, प्रशिक्षण और अपने समुदाय का समर्थन.

हेइफ़र के माध्यम से, बीट्रीस के परिवार को वे तीनों चीज़ें मिलीं. उन्हें एक बकरी मिली जो उन्हें पोषण और आय प्रदान करती थी, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना इस अनमोल उपहार की देखभाल करने का ज्ञान, और एक सहायक समुदाय भी जो मुगीसा के बच्चों के लाभों को साझा करने के लिए तत्पर था. अब जबकि बीट्रीस और उसके भाइयों और बहनों के पास पीने के लिए दूध है, वे अब कुपोषित नहीं हैं. अतिरिक्त दूध की बिक्री की स्थिर आय ने बीट्रीस को पहली बार स्कूल जाने का मौका दिया है, साथ में उसका परिवार अब आश्वस्त है कि ज़रुरत पड़ने पर आवश्यक दवायें, कपड़े और अन्य ज़रूरी चीज़ें खरीदने के लिए उनके पास हमेशा पैसे होंगे. जल्द ही, एक अन्य परिवार—और फिर दूसरा, और तीसरा—इन लाभों का आनंद उठाएगा.

इस देश और दुनिया भर में अपनी यात्राओं के दौरान मैंने देखा कि अभी भी बहुत से बच्चों को अच्छे स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और एक आशावादी भविष्य के साथ बड़े होने का अवसर उपलब्ध नहीं है. बीट्रीस की कहानी हम सभी को उन प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक निमंत्रण है जो संसाधन प्रदान करते हैं, परिवारों को शिक्षित करते हैं, और पूरे समुदाय को ऊपर उठाते हैं.